

31/3/23

पञ्जावली चैत्र द्वादशी

वादी तथा उससे अधिकतर के वार-वार पुकार कर
जरी परतु पुकार के बापजूद भी न्यायालय में उपस्थित
हैं। अतः सत्वा वाली अत्युदासी - अत्युदासी के
स्वार्थी श्रेण जात हैं।

पञ्जावली अपने अन्तर के इच्छाओं का उल्लेख करते हैं।

उपस्थित अधिकारी
हनुमान, जिला नारा

